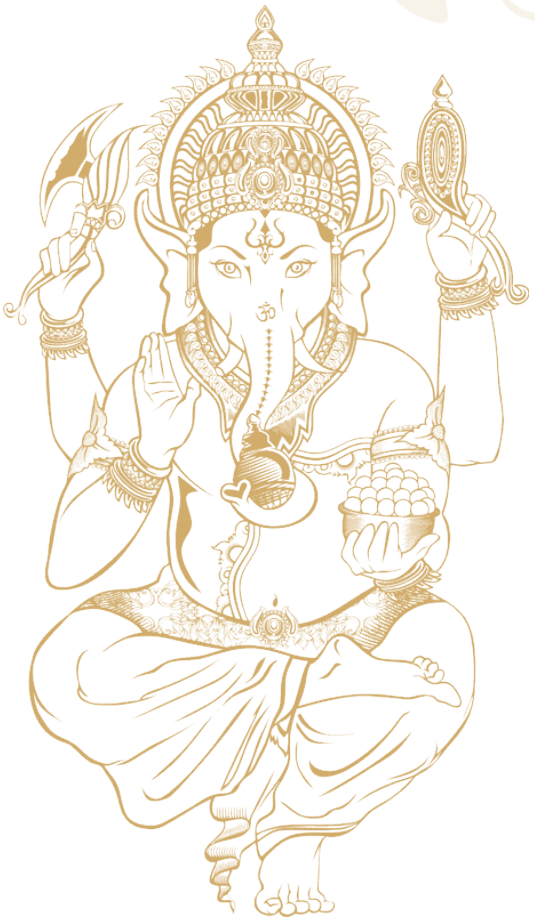

Lokesh

Lucky

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121895602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/09/1998	जन्म तिथि	14/01/2000
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 14:35:00	जन्म समय	21:28:00 घंटे
घटी 21:18:52	जन्म समय(घटी)	35:31:23 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Alwar
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:27	सूर्योदय	07:15:43
18:32:29	सूर्यास्त	17:49:27
23:50:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:14

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 13वर्ष 5मा 6दि	14:33:47	धनु	लग्न	सिंह	17:59:10	केतु 6वर्ष 4मा 14दि
चन्द्र	23:37:27	सिंह	सूर्य	धनु	29:56:08	शुक्र
15/02/2018	17:42:38	मेष	चंद्र	मेष	01:11:41	30/05/2006
16/02/2028	19:17:16	कर्क	मंगल	कुंभ	14:18:58	30/05/2026
चन्द्र 17/12/2018	10:06:31	सिंह	बुध	धनु	29:03:30	शुक्र 29/09/2009
मंगल 18/07/2019	29:58:53	कुंभ व	गुरु	मेष	02:13:14	सूर्य 29/09/2010
राहु 16/01/2021	10:34:41	सिंह	शुक्र	वृश्चि	23:42:40	चन्द्र 30/05/2012
गुरु 18/05/2022	09:13:48	मेष व	शनि	मेष	16:26:25	मंगल 30/07/2013
शनि 17/12/2023	07:33:50	सिंह व	राहु व	कर्क	09:53:19	राहु 29/07/2016
बुध 17/05/2025	07:33:50	कुंभ व	केतु व	मक	09:53:19	गुरु 30/03/2019
केतु 17/12/2025	15:33:24	मक व	हर्ष	मक	21:39:06	शनि 30/05/2022
शुक्र 17/08/2027	05:48:22	मक व	नेप	मक	09:49:20	बुध 30/03/2025
सूर्य 16/02/2028	11:38:05	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:02:18	केतु 30/05/2026

लग्न-चलित

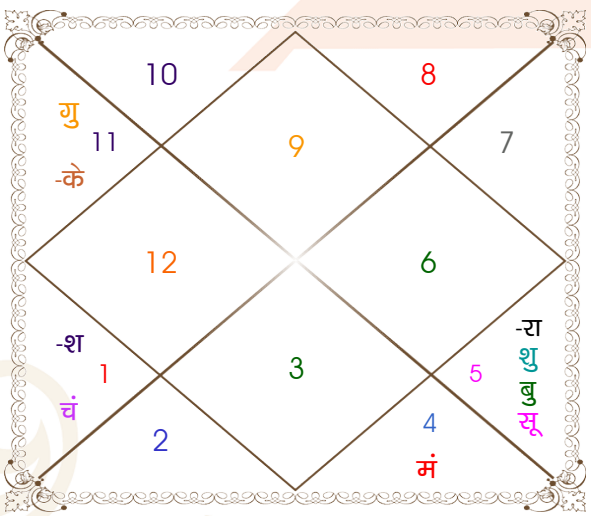

लग्न-चलित

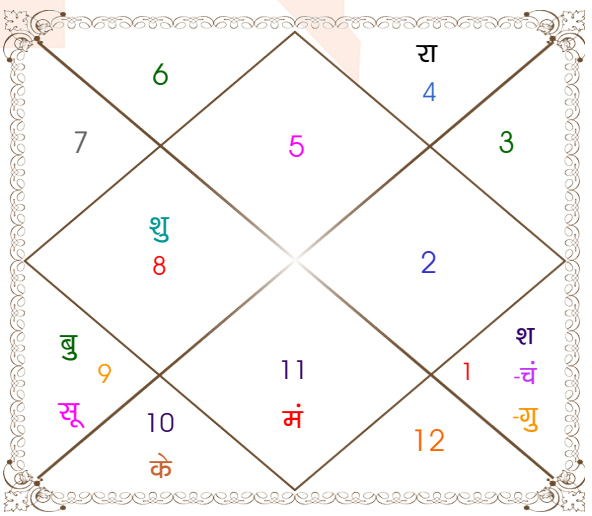

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

स्वामी का वर्ग मृग है तथा स्नबाल का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार स्वामी और स्नबाल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

स्वामी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल स्वामी कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

स्नबाल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

स्वामी तथा स्नबाल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।